

समाचार

घरेलू विवाद में बड़े भाई ने छोटे भाई को चाकू मारकर किया घायल



लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा
हसनपुर। रविवार को एक गांव निवासी बड़े भाई ने सगे छोटे भाई पर चाकू से हमला बोल दिया वहीं कोतवाली पहुंचे घायल ने कार्रवाई की मांग की। जहां से पुलिस ने घायल को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया। सोमवार को कोतवाली क्षेत्र के गांव शाहपुर कला निवासी प्रशांत पुत्र प्रमोद सिंह का आरोप है कि घरेलू मामले को लेकर बड़े भाई बंटी ने उसके ऊपर चाकू से हमला बोल दिया। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया वहीं कोतवाली पहुंचे घायल ने कार्रवाई की मांग की। जहां से पुलिस ने घायल को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया और पुलिस अग्रिम कार्रवाई में जुटी हुई है।

सीएम योगी ने किया भूटान नरेश का स्वागत

लखनऊ 3 फरवरी: भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक सोमवार को लखनऊ पहुंचे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने भूटान नरेश को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका कुशलक्षेम जाना। भूटान नरेश ने भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का अभिवादन किया। वहीं एयरपोर्ट पर कलाकारों ने भारतीय संस्कृति के अनुरूप विभिन्न प्रस्तुतियों से उनका स्वागत किया। वांगचुक ने भी कलाकारों की हौसलाअफजाई की। भूटान नरेश मंगलवार को प्रयागराज महाकुम्भ जाएंगे। वे यहां संगम पर पावन त्रिवेणी स्नान व दर्शन-पूजन आदि करेंगे। स्वागत करने वालों में महापौर सुपमा खर्कवाल, प्रमुख सचिव (गृह) संजय प्रसाद, डीजीपी प्रशांत कुमार, लखनऊ के जिलाधिकारी विशाख जी आदि ने एयरपोर्ट पर उन्हें पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया।

राष्ट्र सेवी संगठन द्वारा बसंत पंचमी पर स्वच्छता की शपथ दिलाई गई



लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा
हसनपुर। सोमवार को राष्ट्रीय सेवी संगठन द्वारा बसंत पंचमी के अवसर पर ग्रामों में स्वच्छता का संकल्प दिलाया गया, राष्ट्र सेवी संगठन के संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा के नेतृत्व में रविवार को ग्राम कनेटा की मंडिईया में सैकड़ों ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति सजग रहने की शपथ दिलाई गई, इस मौके पर कृष्ण कुमार शर्मा ने ग्रामीणों से आग्रह किया कि वह अपने आसपास गंदगी नहीं पनपने दें, उन्होंने कहा कि स्वच्छ वातावरण में स्वास्थ्य निवास करता है तथा स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है अतः सभी को अपने आसपास विशेष सफाई बरतनी चाहिए, इस मौके पर मुख्य रूप से राष्ट्र सेवी संगठन संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा, महेश सिंह खड़गवंशी, दयाराम सिंह खड़गवंशी, टीकाराम खड़गवंशी, जयसिंह खड़गवंशी, महावीर सिंह खड़गवंशी, राजू सिंह खड़गवंशी, चंद्रपाल सिंह खड़गवंशी, प्रहलाद सिंह खड़गवंशी, गौतम सिंह खड़गवंशी, यशवीर सिंह खड़गवंशी एवं सुभाष सिंह खड़गवंशी आदि मौजूद रहे।

त्रिवेणी स्नान के साथ भगवान राम की भक्ति का अनूठा संगम

महाकुम्भ नगर, 3 फरवरी। प्रयागराज में महाकुम्भ के पावन अवसर पर त्रिवेणी संगम में स्नान के साथ ही भगवान राम की भक्ति का अनुपम संगम भी देखने को मिल रहा है। संगम में पवित्र स्नान के बाद श्रद्धालु जब बाहर निकलते हैं तो उनकी भेंट राम भक्त विनोद मिश्रा से होती है। भगवान राम के प्रति उनकी भक्ति अद्वितीय है और प्रभु श्री राम के प्रति उनकी श्रद्धा सभी के लिए एक प्रेरणा है।
हर अक्षर में समाहित राम नाम
राम भक्त विनोद मिश्रा जी की भक्ति की विशेषता यह है कि वे जो कुछ भी लिखते हैं, उसमें हर अक्षर में 'राम' नाम समाहित होता है। उनके पास ऐसी कई पुस्तिकाएं हैं, जिनमें उनकी भक्ति के अमूल्य साक्ष्य अंकित हैं। यही नहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति गहरा प्रेम और सम्मान व्यक्त करते हैं। उन्होंने मोदी जी और योगी जी का नाम भी राम के साथ लिखा है। उनकी अद्वुट भक्ति और समर्पण श्रद्धालुओं के बीच आकर्षण का केंद्र है।



पटाखा छोड़ती बुलेट बाइको पर नहीं हो रही कोई कार्रवाई, जनता परेशान



लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा
हसनपुर। नगर में इन दोनों कान फोड़ू पटाखा छोड़ती बुलेट मोटरसाइकिल का भारी आतंक नजर आ रहा है, आए दिन युवा बुलेट मोटरसाइकिल में पटाखा छोड़ने वाला सिस्टम लगाकर बेखोफ होकर नगर की सड़कों पर पटाखा छोड़ते हुए नजर आ रहे हैं ना तो इन युवाओं को जनता की कोई फिक्र है और ना ही पुलिस का कोई खौफ, आए दिन जहां एक और स्टंट बाजी की खबरें आप सुनते रहते

होंगे वही आए दिन आपको नगर में बुलेट मोटरसाइकिल स्वरों द्वारा पटाखा छोड़ने की भी आवाज सुनाई देती होगी, युवा इतने बेखोफ है कि कोतवाली के आगे से एक मोटरसाइकिल पर जहां तीन लोगों को बिठाकर गुजरते हैं वही निडर होकर पटाखा छोड़ती हुई बुलेट को दौड़ते हुए गुजर जाते हैं लोगों की मांग है कि ऐसे बुलेट मोटरसाइकिल सवार पटाखा छोड़ने वाले बाइक चालकों का चालान किया जाए तथा मोटरसाइकिलों को सीज किया जाए, जहां एक और हार्ट अटैक के मरीज इन

अचानक होने वाली पटाखे की आवाजों से घबरा जाते हैं वहीं छोटे बच्चे व अन्य मरीज भी इन आवाजों से दहशत में आ जाते हैं इस पटाखा फोड़ मोटरसाइकिल का पुलिस को प्रशासन को स्वयं संज्ञान लेकर कार्रवाई करनी चाहिए, तथा सड़कों पर उतरकर ऐसी मोटरसाइकिलों की जांच कर के जिनमें पटाखा फोड़ने का यंत्र लगा हो उन्हें सीज कर के करवाई सुनिश्चित किए जाने की मांग राष्ट्र सेवी संगठन के संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने भी की है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कुत्ते/बंदरों के काटे सैकड़ों लोगों को लगाए गए एंटी रेबीज



लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा
हसनपुर। सोमवार को नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कुत्ते एवं बंदरों के काटे गए 110 से ज्यादा मरीज को एंटी रेबीज के इंजेक्शन लगाए गए, बता ते चले कि इन दिनों क्षेत्र में कुत्ते एवं बंदरों का भारी आतंक है, देहात क्षेत्र की बात करें तो देहात क्षेत्र में रोजाना बंदर तथा

कुत्ते लोगों को काट रहे है, अस्पताल स्टाफ के मुताबिक रोजाना की संख्या में सैकड़ों से ज्यादा मरीजों को एंटी रेबीज दी जा रही है, वही नगर क्षेत्र में भी कुत्ते एवं बंदरों का गली-गली मोहल्ले मोहल्ले में आतंक है जिसके कारण आए दिन कुत्ते एवं बंदरों के काटने से लोग परेशान नजर आते हैं और एंटी रेबीज का इंजेक्शन लगवाने के लिए सरकारी अस्पताल की

दौड़ लगाते हैं, रविवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधीक्षक प्रभारी डॉक्टर धुर्वेंदर सिंह ने बताया कि सोमवार को 110 लोगों को एंटी रेबीज के इंजेक्शन लगाए गए हैं, वही जुखाम बुखार खांसी आदि के भी मरीज को दवाई दी जा रही है ' वहीं लोगों ने प्रशासन से बंदरों तथा कुत्तों को पकड़वाये जाने की मांग की है।

जप, तप, साधना की पुण्य भूमि प्रयागराज महाकुंभ में हो रहा है विविध साधनाओं का संगम

महाकुम्भ नगर , 03 फरवरी। महाकुंभ त्याग और तपस्या के साथ विभिन्न साधनाओं के संकल्प का भी पर्व है । प्रयागराज महाकुम्भ साधनाओं के विविध संकल्पों का साक्षी बन रहा है ऐसी ही एक साधना है पंच धूनी तपस्या जिसे अग्नि स्नान की साधना भी कहा जाता है जिसकी शुरूआत बसंत पंचमी के अमृत स्नान पर्व से हो गई । **तपस्वी नगर में पंच धूनी तपस्या का आरंभ**
कुम्भ क्षेत्र जप ,तप और साधना का क्षेत्र है जिसके हर कोने में कोई न कोई साधक अपनी

साधना में रत नजर आएगा । महाकुम्भ के तपस्वी नगर में बसंत पंचमी से एक खास तरह की साधना का आरंभ हुआ है जिसे लेकर श्रद्धालुओं में खासा कौतूहल है। इस साधना को पंच धूनी तपस्या कहा जाता है जिसे आम भक्त अग्नि स्नान साधना के नाम से भी जानते हैं। इस साधना में साधक अपने चारों तरफ जलती आग के कई घेरे बनाकर उसके बीच में बैठकर अपनी साधना करता है । जिस आग की हल्की से आंच के सम्पर्क में आने से इंसान की त्वचा झुलस जाती है उससे कई



गुना अधिक आंच के घेरे में बैठकर ये तपस्वी अपनी साधना करते हैं ।
वैष्णव अखाड़ों में खालसा के

संतों में है साधना की यह कठिन परम्परा
वैष्णव अखाड़े के खालसा में इस अग्नि स्नान की साधना की

परम्परा है जो बेहद त्याग और संयम की स्थिति में पहुंचने के बाद की जाती है । श्री दिगंबर अनी अखाड़ों में महंत राघव दास

बताते हैं कि अग्नि साधना वैष्णव अखाड़ों के सिरमौर अखाड़े दिगंबर अनी अखाड़े के अखिल भारतीय पंच तेरह भाई त्यागी खालसा के साधकों की विशेष साधना है । यह साधना अठारह वर्षों की होती है । इस अनुष्ठान को पूरा करने के पीछे न सिर्फ साधना के उद्देश्य की पूर्ति करनी होती है बल्कि साधु की क्षमता और सहनशीलता का परीक्षण भी होता है । लगातार 18 वर्ष तक साल के 5 माह इस कठोर तप से गुजरने के बाद उस साधु को वेरागी की उपाधि मिलती है।

महाकुम्भ में उमड़ा आस्था का जनसमुद्र, स्नानार्थियों की संख्या 35 करोड़ के पार

03 फरवरी, महाकुम्भ नगर। मां गंगा, मां यमुना और अहश्य मां सरस्वती के पवित्र संगम में श्रद्धा और आस्था से ओत-प्रोत साधु-संतों, श्रद्धालुओं, कल्पवासियों, स्नानार्थियों और गृहस्थों का स्नान अब एक नए शिखर पर पहुंच गया है। इसी क्रम में बसंत पंचमी के अमृत स्नान पर महाकुम्भ में अब तक स्नानार्थियों की संख्या ने 35 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया। सोमवार को सुबह 8 बजे तक 62.25 लाख श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगाई। इसके साथ ही महाकुम्भ में स्नानार्थियों की कुल संख्या 35 करोड़ के पार हो



गई। अभी महाकुम्भ को 23 दिन शेष है और पूरी उम्मीद है कि स्नानार्थियों की संख्या 50 करोड़ के ऊपर जा

सकती है।
महाकुम्भ में देखने को मिल रही विविध संस्कृतियों की झलक

चौकस रही सुरक्षा व्यवस्था, फील्ड पर डटे रहे अफसर

महाकुम्भ नगर, 3 फरवरी। महाकुम्भ प्रयाग की पावन भूमि पर ज्ञान की देवी मां सरस्वती के प्राकट्य उत्सव बसंत पंचमी पर सोमवार को गंगा, यमुना व अहश्य सरस्वती के पवित्र पावन संगम में सुनहरे मौसम के मध्य करोड़ों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगायी। इस दौरान महाकुम्भ मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं/स्नानार्थियों एवं साधु-संत-महात्माओं व कल्पवासियों के सुगम आवागमन व सुरक्षित स्नान हेतु व्यापक पुलिस प्रबन्ध किये गये। सुरक्षा के दृष्टिगत सम्पूर्ण मेला क्षेत्र में विभिन्न स्थानों के महत्वपूर्ण स्थलों, प्रत्येक चौराहे/तिराहे, पाण्टून पुलों, अखाड़ों के मार्गों एवं स्नान घाटों पर नागरिक पुलिस, यातायात पुलिस, घुड़सवार पुलिस, महिला पुलिस, अग्निशमन दल, पीएसी के जवान, एसटीएफ, एटीएस, एनएसजी के कमाण्डों, अर्धसैनिक बल, बम निरोधक दस्ता की टीमों व्यवस्थापित कर सतर्क दृष्टि रखी गई। पवित्र संगम में जल पुलिस के



साथ गोताखोर/डीप डाइवर की नियुक्ति कर स्नानार्थियों/ श्रद्धालुओं की सुरक्षा के कड़े प्रबन्ध किये गये। इस दौरान बसंत पंचमी पर्व पर संगम क्षेत्र व अन्य स्नान घाटों का एसडीआरएफ/एनडीआरएफ/ फ्लड कम्पनी के जवानों द्वारा निरंतर भ्रमण करते हुए सतर्क दृष्टि रखी गयी।
चप्पे-चप्पे पर नजर रखी गयी
इंटीग्रेटेड कमाण्ड कंट्रोल सेंटर के माध्यम से सम्पूर्ण महाकुम्भ मेला क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरे व ड्रोन से चप्पे-चप्पे पर नजर रखी गयी। पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से सभी

श्रद्धालुओं/स्नानार्थियों से लगातार अनुरोध किया गया कि सावधानी पूर्वक स्नान करके सकुशल अपने गंतव्य को वापस जाएं एवं मेले की सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग करें। महाकुम्भ मेला क्षेत्र में आने वाले स्नानार्थियों/ श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो इसके दृष्टिगत संपूर्ण मेला क्षेत्र में 36 स्थानों पर पार्किंग की व्यवस्था की गयी। जिसके माध्यम से यह प्रयास किया गया कि महाकुम्भ मेला क्षेत्र में आने वाले श्रद्धालुओं/ स्नानार्थियों को स्नान घाट तक पहुंचने में न्यूनतम पैदल चलना पड़े।

अंतिम अमृत स्नान पर श्रद्धालुओं पर हुई पुष्पवर्षा, लगे जयकारे

03 फरवरी, महाकुम्भनगर। महाकुम्भ 2025 के अंतिम अमृत स्नान बसंत पंचमी के दिन सोमवार को संगम तट पर डुबकी लगाने पहुंचे करोड़ों श्रद्धालुओं पर योगी सरकार ने हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा कराई। हेलीकॉप्टर से सभी घाटों और अखाड़ों पर स्नान के दौरान श्रद्धालुओं पर फूलों की बारिश की गई। पुष्प वर्षा की शुरूआत सुबह 6.30 बजे से ही हो गई, जब अखाड़ों का अमृत स्नान जारी था। गुलाब की पंखुड़ियों की बारिश देख संगम तट पर मौजूद नागा संन्यासियों, संतों और श्रद्धालुओं ने अभिभूत होकर जय श्री राम और हर हर महादेव के नारे लगाए। महाकुम्भ मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं पर स्नान पर्वों के मौके पर पुष्प वर्षा को लेकर योगी सरकार के निर्देश पर उद्यान विभाग ने पिछले काफी समय से तैयारी कर रखी थी। इसके लिए गुलाब की पंखुड़ियों की खास तौर पर व्यवस्था की गई थी। महाकुम्भ के सभी स्नान



पर्वों पर पुष्प वर्षा कराने की तैयारी की गई है। प्रत्येक स्नान पर्व पर लगभग 20 कुंतल गुलाब की पंखुड़ियों से बारिश की जा रही है पहले स्नान पर्व पौष पूर्णिमा और पहले अमृत स्नान पर्व मकर संक्रांति पर श्रद्धालुओं पर गुलाब की पंखुड़ियां बरसाई गई थीं, जबकि मौनी अमावस्या के दूसरे अमृत स्नान पर भी सांकेतिक रूप से पुष्प वर्षा कराई गई। अमृत स्नान के दौरान पुष्पवर्षा से नागा संन्यासी, साधु संत और श्रद्धालु भी अभिभूत नजर आए। हर हर महादेव, जय श्री राम, गंगा मैया की जय जैसे जयकारों से पूरा त्रिवेणी क्षेत्र गुंजायमान हो गया। मालूम हो कि प्रयागराज उद्यान विभाग की ओर से अमृत स्नान के लिए पहले ही पर्याप्त फूलों की व्यवस्था की गई है। उद्यान विभाग की ओर 20 क्विंटल से अधिक मात्रा में गुलाब के फूलों का स्टॉक जमा किया गया था। वहीं 5 क्विंटल फूल रिजर्व में भी रखे गए हैं।



नृत्य, नगाड़े और उत्साह, हाथ में गदा-तलवार, नागा साधु बने आकर्षण का केंद्र

एजेंसी, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ के अंतिम अमृत स्नान ने नागा साधुओं का अद्भुत प्रदर्शन श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बना। त्रिवेणी घाट पर इन साधुओं की पारंपरिक और अद्वितीय गतिविधियों ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है। अमृत स्नान के लिए ज्यादातर अखाड़ों का नेतृत्व कर रहे इन नागा साधुओं का अनुशासन और उनका पारंपरिक शस्त्र कौशल देखने लायक रहा। कभी डमरू बजाते दिखे, तो कभी भाले और तलवारें लहराते हुए दिखे, इन साधुओं ने युद्ध कला का अद्भुत प्रदर्शन भी किया। लाठियां भांजते और अठखेलियां करते हुए ये साधु अपनी परंपरा और जोश का प्रदर्शन करते नजर आए।



घोड़ों पर और पैदल निकली शोभा यात्रा

वसंत पंचमी के अमृत स्नान के लिए निकली अखाड़ों की शोभा यात्रा में कुछ नागा साधु घोड़ों पर सवार होकर निकले तो वहीं कुछ पैदल चलते हुए दिखे। इस दौरान अपनी विशिष्ट वेशभूषा और आभूषणों से सजे हुए नजर आए। जटाओं में फूल, फूलों की मालाएं और त्रिशूल हवा में लहराते हुए उन्होंने महाकुंभ की पवित्रता को और भी बढ़ा दिया।



नृत्य, नगाड़े और उत्साह

शोभायात्रा के दौरान मीडिया ही नहीं, बल्कि आम श्रद्धालुओं के कैमरे भी नागा साधुओं को कैचर करते दिखे। नागा भी किसी को निराश नहीं कर रहे थे, बल्कि वो अपने हाव भाव से उन्हें आर्म्बित कर रहे थे। कुछ नागा तो आंखों में काला चश्मा लगाकर आम लोगों से इंटरैक्ट भी कर पा रहे थे। इन स्टाइल को हर कोई कैमरे में कैद कर लेना चाहता था। यही नहीं, नागा साधु नगाड़ों की ताल पर नृत्य करते हुए अपनी परंपराओं का जीवंत प्रदर्शन कर रहे थे। उनकी जोश और उत्साह से भरपूर गतिविधियों ने श्रद्धालुओं के बीच अपार उत्साह पैदा किया।



महिला नागा संन्यासी भी जुटीं

पुरुष नागा साधुओं के साथ ही महिला नागा संन्यासियों की भी बड़ी संख्या में मौजूदगी भी रही। पुरुष नागाओं की तरह ही महिला नागा संन्यासी भी उसी ढंग से तप और योग में लीन रहती हैं। फर्क सिर्फ इतना होता है कि ये गेरुआ वस्त्र धारत करती हैं उसमें भी ये बिना सिलाना वस्त्र धारण करती हैं। उन्हें भी परिवार से अलग होना पड़ता है। सभी नियमों का पालन करना होता है। खुद के साथ परिवार के लोगों का पिंड दान करना होता है तब जाकर महिला नागा संन्यासी बन पाती हैं। जब एक बार महिला नागा संन्यासी बन जाती हैं तो उनका लक्ष्य धर्म की रक्षा, सनातन की रक्षा करना होता है। इस महाकुम्भ में हर कोई इनके बारे में जानने को उत्सुक नजर आ रहा है।



चीन के प्रभाव को लेकर चिंता जताई 'चीन के बढ़ते प्रभाव को कम करें': मार्को रुबियो



एजेंसी, नई दिल्ली

पनामा नहर पर चीन के बढ़ते प्रभाव से अमेरिका में नाराजगी आय दिन सामने आती रही है। इसी बीच अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने रविवार को पनामा के राष्ट्रपति जोस राउल मुलिनो से एक बैठक में कहा कि पनामा को पनामा नहर क्षेत्र पर चीन के बढ़ते प्रभाव को कम करना चाहिए। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इस मामले में बदलाव नहीं हुआ, तो ट्रंप प्रशासन आवश्यक कदम उठाने को तैयार होगा। बता दें कि रुबियो अपनी विदेश यात्रा के दौरान पनामा पहुंचे थे और यह उनकी पहली विदेश यात्रा थी। अपनी पहली विदेश यात्रा

पर रुबियो ने मुलिनो को बताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का मानना है कि पनामा नहर पर वर्तमान में चीन का प्रभाव देखने को मिल रहा है, जो कि अच्छा नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि इसमें तुरंत बदलाव नहीं होता, तो अमेरिका को पनामा के साथ एक संधि के तहत अपने अधिकारों की रक्षा करने के लिए जरूरी कदम उठाने होंगे। गौरतलब है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने शपथ ग्रहण के साथ ही पनामा पर चीन के प्रभाव को लेकर चिंता जताई थी। साथ ही उन्होंने पनामा को इस बात की सीधी चेतावनी दी थी कि जल्द से जल्द उसे पनामा नहर से चीन का प्रभाव कम करना चाहिए।

दो उड़ानों के आगमन और 11 अन्य के प्रस्थान में देरी हुई कोहरे की वजह से 13 उड़ानें प्रभावित

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रविवार को कोहरे और खराब दृश्यता के कारण कुल 13 उड़ानें प्रभावित हुईं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। हवाई अड्डे के निदेशक प्रवक्त रंजन बेउरिया ने बताया कि कोहरे के कारण कम से कम दो उड़ानों के आगमन और 11 अन्य के प्रस्थान में देरी हुई। उन्होंने बताया कि कोहरे के कारण रविवार सुबह हवाई अड्डे पर कम दृश्यता प्रक्रिया (एलवीपी) लागू की गई थी। कोलकाता में तैनात भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के एक शीर्ष



अधिकारी ने बताया कि विमान यातायात नियंत्रक (एटीसी) एलवीपी की घोषणा तब करता है, जब दृश्यता 800 मीटर से कम हो जाती है।

राइफल मैगजीन और दो कारतूस जब्त किए पुलिस ने मणिपुर में उग्रवादी को गिरफ्तार किया

एजेंसी, नई दिल्ली

मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले में प्रतिबंधित संगठन कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीपुल्स वार ग्रुप) के एक उग्रवादी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि उग्रवादी की पहचान 29 वर्षीय लेइहाओथाबाम नानाओ शर्मा के रूप में हुई है, जो 'ग्रेटर इंफाल' क्षेत्र में सरकारी कर्मचारियों, दुकानदारों और आम नागरिकों से जबरन वसूली करने में संलग्न था। अधिकारी ने बताया कि उसे रविवार को लैफेल सुपरमार्केट से पकड़ा गया। पुलिस ने बताया कि इसके अलावा, एक अन्य अभियान



के दौरान सुरक्षा बलों ने चुराचांदपुर जिले के माताजंग गांव और आसपास के इलाकों से खाली इंसान राइफल मैगजीन और दो कारतूस जब्त किए।

नाइट्रोजन स्तर और आनुवंशिक बदलावों के माध्यम से कम नाइट्रोजन का उपयोग करके उपज बढ़ाने में सफलता मिली है

नाइट्रोजन के कम इस्तेमाल से भी अधिक पैदावार संभव

एजेंसी, नई दिल्ली

फसलों के उत्पादन में नाइट्रोजन उर्वरक एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, लेकिन जब इसका अत्यधिक प्रयोग किया जाता है तो यह हमारे भोजन को दूषित करता है और पौधों के विकास, प्रजनन और रोग प्रतिरोध में मदद करता है। अध्ययन के दौरान देखा गया है कि सही नाइट्रोजन स्तर और आनुवंशिक बदलावों के माध्यम से कम नाइट्रोजन का उपयोग करके उपज बढ़ाने में सफलता मिली है। शोध के अनुसार नाइट्रोजन के अवशोषण को और अधिक कुशल बनाने के लिए फाइटोग्लोबिन (जो एक प्राकृतिक एनओ है) का अधिक उपयोग किया गया। इससे नाइट्रेट ट्रांसपोर्टर की सक्रियता बढ़ी, जिससे नाइट्रोजन के अवशोषण में सुधार हुआ। यह तरीका

उपयोग को बढ़ाया जा सकता है। यह नाइट्रेट के उच्च-आवश्यकता वाले ट्रांसपोर्टर (एचएटी) को नियंत्रित करता है, जो पौधों और जानवरों में पाए जाने वाले प्रोटीन होते हैं। यह पोटेशियम के अवशोषण को बढ़ावा देता है और पौधों के विकास, प्रजनन और रोग प्रतिरोध में मदद करता है। अध्ययन के दौरान देखा गया है कि सही नाइट्रोजन स्तर और आनुवंशिक बदलावों के माध्यम से कम नाइट्रोजन का उपयोग करके उपज बढ़ाने में सफलता मिली है। शोध के अनुसार नाइट्रोजन के अवशोषण को और अधिक कुशल बनाने के लिए फाइटोग्लोबिन (जो एक प्राकृतिक एनओ है) का अधिक उपयोग किया गया। इससे नाइट्रेट ट्रांसपोर्टर की सक्रियता बढ़ी, जिससे नाइट्रोजन के अवशोषण में सुधार हुआ। यह तरीका

पारंपरिक और पर्यावरण के लिए हानिकारक उर्वरकों से अलग है और इसके द्वारा नाइट्रोजन के कम इस्तेमाल से फसलों की उपज बढ़ाने का स्थायी समाधान मिल सकता है।

नई प्रबंधन नीतियों के अपनाने का समय

शोधकर्ताओं का कहना है कि नाइट्रोजन के उपयोग को बेहतर बनाने के लिए मौजूदा तकनीकें मुख्य रूप से खेती संबंधी विधियों पर गौर करती हैं जैसे कि विभाजित खुराकों में अकार्बनिक नाइट्रोजन उर्वरकों का उपयोग, जहां उर्वरक धीमी गति से निकलते हैं। हालांकि इन तकनीकों में किसानों के लिए अतिरिक्त खर्च के साथ



कई कमियां बताई गई हैं। अकार्बनिक उर्वरकों के निर्माण के दौरान दुर्नि्याभर में ग्रीनहाउस उत्सर्जन में भी बढ़ोतरी होती है। वैश्विक स्तर पर नाइट्रोजन उर्वरकों के

प्रयोग में वृद्धि हो रही है। समय आ गया है कि हम पुराने तरीकों से बाहर निकलकर जलवायु और जल गुणवत्ता की रक्षा के लिए नए प्रबंधन रणनीतियां अपनाएं।

नई दिल्ली से मिल्कीपुर तक रोना-धोना शुरू



जब से चुनाव आयोग ने पंजाब पुलिस की सुरक्षा छीनी है, तब से केजरीवाल छटपटा रहे हैं।

अजय सेतिया की कलम से



इधर दिल्ली में अरविन्द केजरीवाल बच्चों की तरह रो रहे हैं, तो उधर के उप्र मिल्कीपुर में अयोध्या के तथाकथित राजा अवधेश प्रसाद पासी बच्चों की तरह रो रहे हैं। दोनों को हार का डर है। केजरीवाल को खुद की हार का डर है, और अवधेश प्रसाद पासी को अपने बेटे अजीत प्रसाद पासी की हार का डर है। अवधेश प्रसाद पासी ने एक दलित युवती के बलात्कार और हत्या को उसी तरह अपने बेटे के पक्ष में चुनावी मुद्दा बना दिया है, जिस तरह 2013 में अरविन्द केजरीवाल ने निर्भय हत्याकांड को चुनावी मुद्दा बनाते हुए कहा था कि अगर शीला दीक्षित फिर से मुख्यमंत्री बन गईं, तो दिल्ली की बच्चियों से बलात्कार होगा। अवधेश पासी ने अयोध्या में दलित बच्ची से बलात्कार को निर्भय हत्याकांड से जोड़कर चुनावी मुद्दा बना दिया है। वोटिंग से तीन दिन पहले रविवार को अवधेश प्रसाद का रोते हुए वीडियो वायरल हो गया। उन्होंने लोकसभा से इस्तीफा देने की धमकी भी दे डाली है। समाजवादी पार्टी के लिए मिल्कीपुर सीट जीतना ज़िन्दगी और मौत का सवाल बन गया है, लेकिन अखिलेश यादव की मुसीबत यह है कि समाजवादी पार्टी के ही एक विधायक उदय प्रताप सिंह भाजपा उम्मीदवार का प्रचार कर रहे हैं। इधर सिर्फ प्रेस कॉन्फ्रेंसों पर ज़िदा केजरीवाल को जब जनता के बीच जाना पड़ा है तो उन्हें नानी याद आ गई, वही नानी, जिसने कहा था कि वह रामजन्मभूमि मन्दिर नहीं जाएंगी, क्योंकि यह मस्जिद तोड़कर बनाई गई है। केजरीवाल और उनके समर्थक जहां जहां प्रचार करने जा रहे हैं, वहां वहां उनका विरोध हो रहा है। केजरीवाल ने ऐसा सोचा नहीं था कि वह इतने अनपापुलर हो चुके हैं। संजय सिंह नई दिल्ली में प्रचार करने गए थे, उन्हें देखते ही लोगों ने केजरीवाल चोर के नारे लगाने शुरू कर दिए। कुछ दूर पुलिस वाले खड़े थे, संजय सिंह भाग कर पुलिस कर्मियों के पास पहुंचे और उनसे बोले कि तुम यहां कर रहे हो, भाजपा के गुंडे उनके खिलाफ नारे लगा रहे हैं। इतने में नारे लगाटी भीड़ भी वहीं पर पहुंच गई। यह वीडियो खूब वायरल हो रहा है। क्या नारेबाजी गुनाह है, क्या उम्मीदवार का विरोध करना गुनाह है। अरविन्द केजरीवाल ने सुबह सुबह प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई और भाजपा पर गुंडागर्दी करने का आरोप लगा दिया, वह आरोप भी बिलकुल वैसा ही बेसिर पैर के लगाते हैं, जैसे उन्होंने यमुना में जहर मिलाने वाला आरोप लगा दिया था। अब केजरीवाल ने अमित शाह पर आरोप लगाया है कि दिल्ली की हर गली में अमित शाह ने अपने गुंडे छोड़ दिए हैं। जो आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं को पीट रहे हैं। हालांकि मारपीट की कहीं कोई घटना नहीं हुई। भारतीय राजनीति में ऐसा नेता पहले कभी नहीं देखा गया, जो अपने राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ बेसिर पैर की बातें करता हो। चुनाव आयोग को चिट्ठी लिख कर अपने विधानसभा क्षेत्र में निष्पक्ष आब्जर्वर और सुरक्षा की मांग की है। जब से चुनाव आयोग ने पंजाब पुलिस की सुरक्षा छीनी है, तब से केजरीवाल छटपटा रहे हैं। यह वही केजरीवाल और उनकी टीम है, जो 2013 में कांग्रेस सांसदों के घरों में पहुंच कर प्रदर्शन करते थे। कांग्रेस सांसदों के घरों के बाहर तोड़फोड़ करते थे, और चोर चोर के नारे लगाते थे। यह वही आम आदमी पार्टी है, जो आशुतोष के नेतृत्व में तोड़फोड़ करते हुए भाजपा दफ्तर में घुस गई थी। आपने तो वह सब कुछ किया है, जिसकी लोकतंत्र इजाजत नहीं देता। केजरीवाल को उम्मीद नहीं थी कि झूठ बोल बोल कर वह इतने अलोकतंत्रिय हो चुके हैं, कि वोटर खुल कर उनके सामने आ कर खड़े हो जाएंगे। सिर्फ संजय सिंह के सामने आकर लोग खड़े नहीं हुए, बल्कि नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में ही आम आदमी पार्टी की प्रचार वैन बाल्मिकी मन्दिर के पास पहुंची, तो स्थानीय लोगों ने केजरीवाल के खिलाफ नारेबाजी करते हुए वैन पर हमला कर दिया। यह वही जगह है, जहां अरविन्द केजरीवाल को एक दलित ने झाड़ू पकड़ाते हुए चुनाव निशान दिया था। जिस व्यक्ति ने उन्हें झाड़ू दिया था, वह भी अब केजरीवाल के खिलाफ प्रचार कर रहा है। केजरीवाल घर में बैठकर टवीट कर रहे हैं कि अमित शाह के गुंडे उनके कार्यकर्ताओं पर हमला कर रहे हैं। इससे पहले अरविन्द केजरीवाल को रोककर तीन युवकों ने सवाल किया था तो केजरीवाल उन युवकों को कार से कुचल कर भाग निकला था। ये तीनों ही युवक पहले आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता थे जो बाद में केजरीवाल से निराश हो कर भाजपा में शामिल हो गए थे। ऐसी ही एक घटना आतिशी मार्लेना के निर्वाचन क्षेत्र में हुई है, जहां उन्होंने अपने प्रचार के लिए बच्चों का इस्तेमाल किया तो लोगों ने उसका कड़ा विरोध किया। कांग्रेस की उम्मीदवार अलका लांबा ने आतिशी मार्लेना के नाक में दम कर दिया है, कांग्रेस ने केजरीवाल, सिसोदिया और आतिशी मार्लेना को हराने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। तीनों की हार लगभग तय लग रही है। चुनाव से पहले आखिरी रविवार तीनों राजनीतिक दलों ने अपने सभी बड़े नेताओं को झोंक दिया। अब तक प्रचार से दूर बैठे प्रियंका वाड़ा भी चुनाव मैदान में उतर आईं जिसने आम आदमी पार्टी की मुसीबत और बढ़ा दी है।

